# अनुक्रमणिका

# अनुक्रमणिका


| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ क्र. |
|---|---|---|
| प्रथम- | मार्कण्डेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व | 1 से 15 |
| *1.1* | ***व्यक्ति परिचय*** | |
| 1.1.1 | जन्म | |
| 1.1.2 | माता-पिता | |
| 1.1.3 | बाल्यकाल | |
| 1.1.4 | शिक्षा-दीक्षा | |
| 1.1.5 | वेशभूषा | |
| 1.1.6 | विवाह | |
| 1.1.7 | व्यवसाय | |
| 1.1.8 | पारिवारिक परिचय | |
| 1.1.9 | मित्र मंड़ली | |
| *1.2* | ***व्यक्तित्व*** | |
| 1.2.1 | गंभीर व्यक्तित्व | |
| 1.2.2 | रिक्षा के चहेते अर्थात् रिक्षा -यात्री | |
| 1.2.3 | जिंदगी के प्रेमी | |
| 1.2.4 | भाई-भतीजावाद के परे | |
| 1.2.5 | गाँव तथा आत्मीयजनों के प्रेमी | |
| 1.2.6 | राजनीति के ज्ञाता | |
| 1.2.7 | नव लेखकों के प्रेरणा स्थान | |
| *1.3* | ***कृतित्व अर्थात् मार्कण्डेय की साहित्य-यात्रा*** | |
| 1.3.1 | कहानी साहित्य | |
| 1.3.2 | उपन्यास साहित्य | |

| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ क्र. |
|---|---|---|


1.3.3 एकांकी साहित्य

*1.4 पुरस्कार एवं सम्मान*

*1.5 मार्कण्डेय की समीक्षा दृष्टि*

1.5.1 रचना प्रक्रिया संबंध विचार

1.5.2 साहित्य विषयक दृष्टिकोण

1.5.3 कहानी विषयक अवधारणा

1.5.4 कला जीवन के लिए

निष्कर्ष

द्वितीय- ग्रामीण जीवन: स्वरूप-विवेचन 16 से 36

2.1 वैदिक कालीन ग्रामीण-जीवन

2.2 उत्तर वैदिक कालीन ग्रामीण-जीवन

2.3 महाकाव्य कालीन ग्रामीण-जीवन

2.4 बौद्ध कालीन ग्रामीण-जीवन

2.5 मौर्य कालीन ग्रामीण-जीवन

2.6 गुप्त कालीन ग्रामीण-जीवन

2.7 मुगलकालीन ग्रामीण-जीवन

2.8 अंग्रेजी शासनकालीन ग्रामीण जीवन

2.9 स्वतंत्रता कालीन ग्रामीण-जीवन

2.9.1 स्वतंत्रता कालीन बदलाव : पंचवर्षीय योजनाएँ

2.9.2 सामुदायिक विकास योजना

2.9.3 कुटीर उद्योग

2.9.4 भूदान

2.9.5 पंचायत राज

| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ क्र. |
|---|---|---|
| 2.10 | विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्राम का स्वरूप | |
| | निष्कर्ष | |
| तृतीय - | विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण-जीवन | 37 से 72 |
| *3.1* | ***विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण-जीवन : सामाजिक पक्ष*** | |
| 3.1.1 | मानवीय एवं पारिवारिक संबंध | |
| 3.1.1.1 | मानवीय भाव अर्थात् मानवतावादी दृष्टि | |
| 3.1.1.2 | पारिवारिक संबंध | |
| 3.1.1.2.1 | पति-पत्नी संबंध | |
| 3.1.1.2.2 | माता-पिता और संतान | |
| 3.1.1.2.3 | भाई-बहन संबंध | |
| 3.1.2 | टूटते हुए संयुक्त परिवार | |
| 3.1.3 | नैतिक मुल्यों का विघटन | |
| 3.1.4 | यौन संबंध | |
| 3.1.5 | जातीयता | |
| 3.1.6 | नारी की स्थिति | |
| *3.2* | ***विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण जीवन : राजनीतिक पक्ष*** | |
| 3.2.1 | चुनाव | |
| 3.2.2 | पंचायत या पंचायत व्यवस्था | |
| 3.2.3 | जाति केंद्रित राजनीति | |
| 3.2.4 | पुलिस व्यवस्था | |
| 3.2.5 | स्वाधीनकालीन राजनेता | |
| *3.3* | ***विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण जीवन : आर्थिक पक्ष*** | |
| 3.3.1 | ठाकुर एवं महाजन द्वारा शोषण | |

| अध्याय | अध्याय का नाम |
|---|---|
| 3.3.2 | ठेकेदार द्वारा शोषण |
| 3.3.3 | ऋणग्रस्त किसान-मजदूर |
| 3.3.4 | भूमिहीन और भूदान |
| 3.3.5 | पंचवर्षीय योजना |
| 3.3.6 | राष्ट्रीय विकास खंड |
| 3.3.7 | शिक्षा संस्थाएँ |
| 3.3.8 | बेकार नवयुवक की स्थिति |
| 3.3.9 | अकाल |
| 3.3.10 | बाढ़ पीड़ित संघ की स्थापना |
| *3.4* | ***विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण-जीवन : धार्मिक पक्ष*** |
| 3.4.1 | देवी-देवताओं एवं पीरों की पूजा |
| 3.4.2 | अंधविश्वास एवं अंधश्रद्धा |
| 3.4.3 | धार्मिक पाखंड एवं ढोंगी साधु |
| 3.4.5 | भूत-प्रेत में विश्वास |
| *3.5* | ***विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण-जीवन : सांस्कृतिक पक्ष*** |
| 3.5.1 | विवाह |
| 3.5.1.1 | वाद्य |
| 3.5.1.2 | बिदाई-समारोह |
| 3.5.1.3 | महफिल |
| 3.5.2 | क्रीड़ा |
| 3.5.3 | त्यौहार |
| 3.5.4 | लोकगीत |
| 3.5.5 | रामलीला |
| 3.5.6 | लोक कथाएँ |

| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ क्र. |
|---|---|---|
| 3.5.7 | गालियाँ | |
| 3.5.8 | विधि विधान | |
| | निष्कर्ष | |
| चतुर्थ - | विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्रामीण-जीवन की समस्याएँ | 73 से 87 |
| 4.1 | शोषण की समस्या | |
| 4.2 | अनाज की समस्या | |
| 4.3 | वैद्यकीय सुविधा का अभाव | |
| 4.4 | दहेज प्रथा की समस्या | |
| 4.5 | अनमेल विवाह की समस्या | |
| 4.6 | बाल विवाह की समस्या | |
| 4.7 | नौकरानी की समस्या | |
| 4.8 | बाल कामगार की समस्या | |
| 4.9 | जातिवाद की समस्या | |
| 4.10 | अस्पृश्यता की समस्या | |
| 4.11 | भूमि की समस्या | |
| | निष्कर्ष | |
| पंचम् - | विवेच्य कहानियों में चित्रित ग्राम-चेतना | 88 से 101 |
| 5.1 | नारी-चेतना | |
| 5.1.1 | प्रखर विद्रोहिणी नारी | |
| 5.2.2 | वैवाहिक जीवन में नारी-चेतना | |
| 5.2.3 | परिवर्तनोन्मुख शिक्षित नारी की चेतना | |
| 5.2.4 | नौकरानी की चेतना | |
| 5.2 | दलित-चेतना | |

| अध्याय | अध्याय का नाम | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 5.3 | किसान-चेतना | |
| 5.4 | मजदूर-चेतना | |
| 5.5 | साम्यवादी-चेतना | |
| 5.6 | विकास योजनाओं से आयी चेतना | |
| 5.7 | भूदान-चेतना | |
| 5.8 | धार्मिक-चेतना | |
| 5.9 | राजनैतिक-चेतना | |
| 5.10 | रूढ़ि-परंपरा एवं अनाचार के विरूद्ध चेतना | |
| | निष्कर्ष | |
| * | उपसंहार | 102 से 110 |
| * | संदर्भ ग्रन्थ-सूची | 111 से 116 |